तेजा जी मन्दिर के ट्रस्ट के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में संबोधन

तेजाजी मंदिर के ट्रस्ट के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह और प्रतिभा सम्मान समारोह में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और किसान नेता, जिन्होंने अपना जीवन संघर्षों से शुरू किया तथा एक अध्यक्ष के रूप में भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व करके राज्य के किसानों, वंचितों और गरीब लोगों की आवाज वे विधान सभा में उठाते रहते हैं, माननीय सतीश पूनिया जी, राज्य सरकार के पूर्व मंत्री, रामगंजमंडी के माननीय विधायक मदन दिलावर जी, मंच पर विराजित सभी अतिथिगण, इस ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री बाबूलाल चौधरी साहब और हमारे बीच में आए किसान नेता माधव राम जी, जो शिक्षा की नगरी और सीकर में खुद शैक्षिक संस्थाएं चलाते हैं, पूर्व जिला प्रमुख हरिराम रणवां जी, सभी पदाधिकारीगण!

आज तेजाजी मंदिर के ट्रस्ट के शपथ ग्रहण समारोह के साथ-साथ उन प्रतिभाओं के लिए यह आयोजन किया गया है, जो एक किसान के घर पैदा हुई और उन नौजवान योग्य व्यक्तियों के लिए हैं, जिन्होंने देश के शीर्ष संस्थान पर यह मुकाम हासिल किया है।

तेजाजी महाराज, जिनकी लोक देवता के रूप में राजस्थान ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में उनकी पूजा की जाती है और उनके मेले आयोजित किए जाते हैं। इसके साथ-साथ तेजाजी महाराज के प्रति आज इतने वर्षों के बाद भी अटूट आस्था और विश्वास है। इस अटूट आस्था और विश्वास के कारण कोई भी व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में हो, जब वह तेजाजी मंदिर पर जाता है तो सकुशल होकर लौटता है।

तेजाजी महाराज एक किसान के घर पर पैदा हुए। उन्होंने एक योद्धा के रूप में गांवों को बचाने और उनकी रक्षा करने का काम किया। वे गायों की रक्षा का कार्य करते-करते संघर्ष में घायल हुए।

गायों के संघर्ष के बाद जो वचन उन्होंने नाग देवता को दिया था, उस वचन को पूरा किया। आज हम जितने भी महापुरुष और लोक देवताओं की जयंती मनाते हैं, उन सबको याद करते हैं, तो हमें आज भी नई प्रेरणा मिलती है, नई दिशा मिलती है। इसी तरीके की प्रेरणा लेकर हिंदुस्तान का जाट समाज, जो अन्नदाता के रूप में किसान है। उसने इस देश के अंदर अन्न पैदा करके हमारी खाद्य समस्याओं को समाप्त किया।

आधुनिक नई तकनीकी से खेती करके समाज के अन्य लोगों की आमदनी बढ़े, उसके लिए जाट समाज ने समृद्ध किसान, खुशहाल किसान, तकनीकी से युक्त किसान का नारा दिया है। जहां-जहां भी जाट समाज के लोग किसान का काम करते हैं, उन्होंने एक कृषक क्रांति के रूप में, एक हरित क्रांति के रूप में, एक श्वेत क्रांति के रूप में एक मुकाम हासिल करके देश का सम्मान बढ़ाया है।

इसी तरीके से जाट का बेटा, जो सीमा पर रहता है, वह चाहे अर्धसैनिक बल के रूप में हो, चाहे राज्यों की पुलिस के रूप में हो, जहां भी रहता है, वहां उसका समर्पण और संस्कार है। एक तरफ किसान बनकर खेत की रक्षा करना और अन्न पैदा करना तथा दूसरा सीमा पर देश की रक्षा करना, जाटों के ये दो संकल्प हमेशा रहते हैं। इसीलिए जाट समाज ने अपने संस्कार, संस्कृति, कार्य, समर्पण और देश के प्रति निष्ठा के कारण समाज में एक अलग स्थान बनाया है।

जब इस छात्रावास की नींव रखी गई थी, तब मैं भी आया था। एक सपना था कि कोटा एक शैक्षिक नगरी बन रहा है। देश और प्रदेश का नौजवान यहां पर पढ़ने आएगा। जो पढ़ने वाली बालिकाएं हैं, जो यहां पर कोचिंग करने आती हैं, उनको किस तरीके से अच्छी शिक्षा और संस्कार मिले, इसके लिए समाज ने मिलकर यहां पर महिला छात्रावास का निर्माण कराया है।

आज यहां की महिलाएं, बच्चियां यहां पर पढ़कर कोई आईआईटी कर रही है, कोई डॉक्टर बन रही है, कोई देश के अंदर और कोई देश के बाहर नेतृत्व कर रही है। आज दुनिया के जितने भी देश हैं, आप उन देशों के अंदर चले जाएं तो वहां कोई आईआईटी प्रोफेशनल मिलेगा, तो भारत का नौजवान मिलेगा, अच्छा डॉक्टर मिलेगा, तो भारत का मिलेगा। यह हमारे नौजवानों की बौद्धिक क्षमता है।

इस बौद्धिक क्षमता के संरक्षण के उद्देश्य से हमारे किसान भाइयों ने कम आमदनी होने के बाद भी अपना अन्न बेचकर किस तरीके से यह छात्रावास बने, इस संकल्प के साथ काम किया है और आज एक छात्रावास बनकर तैयार हो चुका है।

मैं आशा करता हूं कि इस छात्रावास के साथ हम अपनी बेटियों को एक अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार देकर और जो हम सबकी भावना है कि देश में आने वाली 21वीं शताब्दी हमारी बच्चियों की शताब्दी हो, महिलाओं की शताब्दी हो।

वे आज दुनिया और भारत के अंदर पायलट के रूप में, सेना के रूप में और अर्धसैनिक बल के रूप में हैं। मैं देखता हूं कि आज किसान की बेटी आईआईटी, डॉक्टर तथा अलग-अलग क्षेत्रों के अंदर काम कर रही है। वे हम सबका गौरव बढ़ा रही हैं, भारत की शान और गौरव बढ़ा रही हैं। मैं इस मौके पर इतना ही आग्रह करूंगा कि हम सब किसान हैं और यह शताब्दी हमारे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण शताब्दी है।

जब दुनिया के अंदर खाद्यान्न का संकट है, उस समय दुनिया के खाद्यान्न के संकट की पूर्ति करने का काम भारत का है, भारत के किसानों का है। इसलिए हमारे सामने चुनौती है कि हम अपनी धरती से, जो हमारी धरती मां है, उससे किस तरीके से ज्यादा उत्पादन कर सकते हैं, ताकि दुनिया के खाद्य संकट को पूरा कर सकें।

किसान आपदा के संकट में रहता है। अभी बेमौसम बरसात होने के कारण हमारी फसलें नष्ट हो चुकी हैं, फिर भी किसान आत्मविश्वास और हौसले से परस्त नहीं होता है।

जब फसल नष्ट होती है तो उसके बाद नए उत्साह के साथ नई फसल में लग जाता है। यदि यह शक्ति, सामर्थ्य और ऊर्जा है, तो केवल भारत के किसानों की है। मैं आप सबको इस मौके पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि इस ट्रस्ट के नई कार्यकारिणी ने शपथ ली है, वह संकल्प के साथ आगे बढ़े।

तेजाजी महाराज की कृपा, उन्होंने जो संदेश दुनिया को दिया था, उनके संदेश, संस्कार, त्याग, समर्पण और उनकी वचनबद्धता को लेकर इस तरीके से आगे चलें, ताकि जाट समाज में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में बदलाव हो।

तेजा जी महाराज सर्वव्यापी और समावेशी हैं। देश के हर इलाके के अंदर उनको सब समाज पूजते हैं और आदर करते हैं। उसी तरीके से जाट समाज अपनी संस्कृति और संस्कार राष्ट्र सेवा के माध्यम से संपूर्ण समाज के अंदर अपने दायित्वों का निर्वहन करता रहे। आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बहुत-बहुत बधाई।